

राजनीति-विज्ञान और अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (प्रश्न-पत्र-I)

समय : तीन घण्टे

अधिकतम अंक : 250

प्रश्न-पत्र सम्बन्धी विशेष अनुदेश

(कृपया प्रश्नों के उत्तर देने से पूर्व निम्नलिखित प्रत्येक अनुदेश को ध्यानपूर्वक पढ़िए)

इसमें आठ प्रश्न हैं जो दो खण्डों में विभाजित हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हुए हैं।

परीक्षार्थी को कुल पाँच प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

प्रश्न संख्या 1 और 5 अनिवार्य हैं तथा बाकी प्रश्नों में से प्रत्येक खण्ड से कम-से-कम एक प्रश्न चुनकर तीन प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

प्रत्येक प्रश्न/भाग के लिए नियत अंक उसके सामने दिए गए हैं।

प्रश्नों के उत्तर उसी प्राधिकृत माध्यम में लिखे जाने चाहिए, जिसका उल्लेख आपके प्रवेश-पत्र में किया गया है, और इस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यू. सी. ए. पुस्तिका के मुखपृष्ठ पर निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। प्राधिकृत माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिखे गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।

प्रश्नों में शब्द-सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।

प्रश्नों के प्रयासों की गणना क्रमानुसार की जाएगी। आंशिक रूप से दिए गए प्रश्नों के उत्तर को भी मान्यता दी जाएगी यदि उसे काटा न गया हो। प्रश्न-सह-उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़े गए कोई पृष्ठ अथवा पृष्ठ के भाग को पूर्णतः काट दीजिए।

POLITICAL SCIENCE AND INTERNATIONAL RELATIONS (PAPER-I)

Time Allowed : Three Hours

Maximum Marks : 250

QUESTION PAPER SPECIFIC INSTRUCTIONS

(Please read each of the following instructions carefully before attempting questions)

There are EIGHT questions divided in two Sections and printed both in HINDI and in ENGLISH.

Candidate has to attempt FIVE questions in all.

Question Nos. 1 and 5 are compulsory and out of the remaining, THREE are to be attempted choosing at least ONE question from each Section.

The number of marks carried by a question/part is indicated against it.

Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate which must be stated clearly on the cover of this Question-cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in a medium other than the authorized one.

Word limit in questions, wherever specified, should be adhered to.

Attempts of questions shall be counted in sequential order. Unless struck off, attempt of a question shall be counted even if attempted partly. Any page or portion of the page left blank in the Question-cum-Answer Booklet must be clearly struck off.

खण्ड—A / SECTION—A

1. निम्नलिखित में से प्रत्येक पर लगभग 150 शब्दों में टिप्पणी कीजिए :

Comment on the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) राज्य की नारीवादी आलोचना
Feminist critique of the State
- (b) स्वीकारात्मक कार्यवाही
Affirmative action
- (c) राजनीतिक विचार के रूप में परिणाम की समानता
Equality of outcome as a political idea
- (d) राज्य की वैधता के उपकरण
Tools of legitimation of the State
- (e) महिला मताधिकार पर जे० एस० मिल के विचार
J. S. Mill's ideas on women suffrage

2. (a) रॉल्स ने उदारवाद में न्याय के विचार को कैसे समृद्ध किया है?

How has Rawls enriched the idea of justice in liberalism?

20

- (b) राजनीतिक सिद्धान्त में व्यवहारवादी उपागम के महत्त्व का परीक्षण कीजिए। इसका पतन कैसे हुआ?

Examine the importance of behavioural approach in political theory. What led to its decline?

15

- (c) क्या मानव अधिकारों की सार्वभौमिक अवधारणा हो सकती है? अपने तर्क दीजिए।

Can there be universal conception of human rights? Give your arguments.

15

3. (a) राजनीति के अरस्तूवादी दृष्टिकोण की व्याख्या कीजिए। आपके विचार में इसने आधुनिक संवैधानिक लोकतंत्रों के विकास में किस सीमा तक योगदान दिया है?

Explain the Aristotelian view of politics. To what extent do you think it has contributed to the development of modern-day constitutional democracies?

20

- (b) “जब एक राष्ट्र कला और शिक्षा विहीन हो जाता है, तब वह निर्धनता को आमन्त्रित करता है।” (सर सैयद अहमद खान)। इस कथन के संदर्भ में एक आधुनिक भारत के सुधारक के रूप में सर सैयद अहमद खान की भूमिका का मूल्यांकन कीजिए।

“When a nation becomes devoid of arts and learning, it invites poverty.” (Sir Syed Ahmad Khan). In the light of this statement, assess the role of Sir Syed Ahmad Khan as a reformer in modern India.

15

- (c) “राजनीतिक विचारधारा मुख्यतः सत्ता के आबंटन और उपयोग से सम्बन्धित है।” टिप्पणी कीजिए।
“Political ideology is primarily concerned with the allocation and utilization of power.” Comment. 15

4. (a) क्या आपके विचार में बौद्ध परंपराओं ने प्राचीन भारतीय राजनीतिक चिंतन को अधिक नैतिक आधार प्रदान किया है? अपने तर्क दीजिए।
Do you think that the Buddhist traditions have lent greater ethical foundation to the ancient Indian political thought? Give your arguments. 20

- (b) मार्क्स के ‘अलगाव’ की अवधारणा पूँजीवाद की वास्तविकता का एक अनिवार्य भाग है। व्याख्या कीजिए।
Marx’s concept of ‘alienation’ is an essential part of the reality in capitalism. Explain. 15

- (c) “स्वतंत्र एवं निष्पक्ष विमर्श लोकतंत्र की नींव की कुंजी है।” व्याख्या कीजिए।
“Free and fair deliberation is key to the foundation of democracy.” Explain. 15

खण्ड—B / SECTION—B

5. निम्नलिखित में से प्रत्येक का लगभग 150 शब्दों में उत्तर दीजिए :

Answer the following in about 150 words each :

10×5=50

- (a) “भारत का संविधान एक ऐतिहासिक प्रक्रिया का परिणाम है, जो संवैधानिक पूर्ववृत्तों से समृद्ध है।” टिप्पणी कीजिए।

“The Constitution of India is a product of a historical process, rich with constitutional antecedents.” Comment.

- (b) “संविधान निर्माताओं को भारत में अद्वितीय सामाजिक और सांस्कृतिक विविधता के समक्ष एकसमान राष्ट्रीय अस्मिता को स्थापित करने का असाधारण कार्य करना पड़ा।” टिप्पणी कीजिए।

“The Constitution makers faced the great task of forging a common national identity in the face of unparalleled social and cultural diversity in India.” Comment.

- (c) भारतीय संविधान को परिभाषित करने वाले मूल सिद्धान्तों को उल्लिखित कीजिए।

Mention the founding principles that define India’s Constitution.

- (d) भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन की प्रकृति के मार्क्सवादी परिप्रेक्ष्य की विवेचना कीजिए।

Analyze the Marxist perspective of the nature of Indian National Movement.

- (e) प्रथम संवैधानिक संशोधन के महत्त्व को रेखांकित कीजिए।

Underline the significance of the first constitutional amendment.

6. (a) “राज्य के नीति-निर्देशक सिद्धान्तों के साथ मौलिक अधिकारों के संवैधानिक रूप से सामंजस्य स्थापित करने के लिए संविधान में निरंतर संशोधन और न्यायिक हस्तक्षेप की आवश्यकता पड़ी।” टिप्पणी कीजिए।
 “Constitutionally reconciling the Fundamental Rights with the Directive Principles of State Policy has led to frequent amendments of the Constitution and judicial interventions.” Comment. 20
- (b) अल्पमत सरकार और गठबंधन सरकार के समय भारत के राष्ट्रपति की भूमिका अधिक महत्वपूर्ण हो जाती है। व्याख्या कीजिए।
 The role of the President of India becomes more significant during a minority government and a coalition government. Explain. 15
- (c) क्या आपके विचार में महत्वपूर्ण सीमाओं के पश्चात् भी पंचायती राज संस्थाओं ने लोकतांत्रिक विकेंद्रीकरण की प्रक्रिया को सुदृढ़ किया है? अपने मत प्रकट कीजिए।
 Do you think that despite having significant limitations the Panchayati Raj Institutions have strengthened the process of democratic decentralization? Give your views. 15
7. (a) “भारतीय दलीय व्यवस्था, देश की संघीय संरचना, चुनाव प्रणाली एवं सामाजिक विभेदों की जटिल अंतःक्रिया से निरूपित होती है।” विवेचना कीजिए।
 “The Indian party system is shaped by a complex interaction of the country’s federal structure, electoral system and social cleavages.” Explain. 20
- (b) क्या आपके विचार में भारत के विभिन्न क्षेत्रों में जिस आधार पर नए राज्यों के निर्माण की माँग उठाई गई है, उसमें आनुक्रमिक परिवर्तन हुआ है? व्याख्या कीजिए।
 Do you think that there has been a gradual shift in the basis on which the demands for the creation of new States have been raised in different regions of India? Explain. 15
- (c) आर्थिक सुधारों की पहल से, विकास दर में गतिवृद्धि होने के पश्चात् भी, भारत के सामाजिक विकास परिणामों में आया आंशिक सुधार क्या प्रतिपादित करता है?
 What explains India’s modest improvements in social development outcomes even as the rate of growth has accelerated since the initiation of economic reforms? 15
8. (a) “चुनावी लोकतंत्र की सफलता का श्रेय आंशिक रूप से भारत के चुनाव आयोग की स्थिति और भूमिका को दिया जा सकता है।” व्याख्या कीजिए।
 “The success of electoral democracy can partly be attributed to the status and role of the Election Commission of India.” Explain. 20
- (b) एक संवैधानिक न्यायालय के रूप में भारत के सर्वोच्च न्यायालय की अधिकारिता के विकास का परीक्षण कीजिए।
 Examine the evolution of the jurisdiction of the Supreme Court of India as a constitutional court. 15
- (c) व्याख्या कीजिए कि भारत की लोकतांत्रिक राजनीति में कैसे एक सामाजिक कोटि के रूप में जाति भी एक राजनैतिक कोटि में परिवर्तित हो रही है।
 Explain how caste as a social category is also becoming a political category in the democratic politics of India. 15

★ ★ ★